नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
त्रिकाल संध्या, अग्निकार्य, सामवेद संहिता आरम्भ, पूर्वार्चिक संहिता अध्याय - प्रथम, द्वितीय, प्रकृति गान में 3 खण्ड					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	प्रातः संध्या		10	1. प्रत्येक पक्ष में निर्धारित मन्त्र भाग का 10 पाठ एवं 10 सन्था (दशावृत्ति) करना है। 2. नवम तथा दशम पाठ में सम्पूर्ण पञ्चाशत् पढाना है 3. छः सन्था होने के पश्चात् छात्र गुरुजी को कण्ठस्थ सुना ने प्रयत्न करें। 4. प्रतिदिन प्रातः काल ब्रह्मयज्ञ में 100 पञ्चाशत् बिना पुस्तक के बोलना। 5. जिन पञ्चाशतों को अगले दिन ब्रह्मयज्ञ में कण्ठस्थ बोलना है एक दिन पूर्व उनका स्वाध्याय करें। 6. नूतनपाठ (जिसकी सन्था (दशावृत्ति) पूरी हुई हो। की प्रतिदिन 2 आवृत्ति करना अनिवार्य है। एक पक्ष तक। 7. प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी तथा चतुर्दशी को उस पक्ष के ब्रह्म यज्ञ में स्वाध्याय किए गए पञ्चाशतों की सामूहिक आवृत्ति अनिवार्यतया करनी है।
2	द्वितीय पक्ष	सायं संध्या		5	
3	तृतीय पक्ष	मध्याह्न संध्या		5	
4	चतुर्थ पक्ष	भोजन प्रयोग		5	
5	पञ्चम पक्ष	अग्निकार्य		5	
6	षष्ठ पक्ष	संहिता प्रथम खण्ड	10	4	
7	सप्तम पक्ष	द्वितीय खण्ड	10	4	
8	अष्टम पक्ष	तृतीय खण्ड	14	4	
9	नवम पक्ष	चतुर्थ - पञ्चम खण्ड	20	4	
10	दशम पक्ष	षष्ठ - सप्तम खण्ड	20	4	
11	एकादश पक्ष	अष्टम - नवम खण्ड	20	4	
12	द्वादश पक्ष	दशम - एकादश - द्वादश खण्ड	27	4	
13	त्रयोदश पक्ष	प्रकृतिगान प्रथम खण्ड	19 साम गान	6	
14	चतुर्दश पक्ष	प्रकृतिगान द्वितीय खण्ड	15 साम गान	6	
15	पञ्चदश पक्ष	प्रकृतिगान तृतीय खण्ड	20 साम गान	6	
16	षोडश पक्ष	द्वितीय अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	6	
17	सप्तदश पक्ष	द्वितीय अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	6	
18	अष्टादश पक्ष	द्वितीय अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	6	
19	एकोनविंश पक्ष	द्वितीय अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	6	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**395 मन्त्र**	**100 अंक**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
संहिता पूर्वार्चिक - तृतीय, चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ अध्याय सम्पूर्ण । प्रकृतिगान में आग्नेय पर्व 9 खण्ड एवं ऐन्द्र पर्व 6 खण्ड पर्यन्त अध्ययन होना अनिवार्य है ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	तृतीय अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	1. ऋचा की 16 सन्था पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	तृतीय अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
3	तृतीय पक्ष	तृतीय अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
4	चतुर्थ पक्ष	तृतीय अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
5	पञ्चम पक्ष	चतुर्थ अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	
6	षष्ठ पक्ष	चतुर्थ अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
7	सप्तम पक्ष	चतुर्थ अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
8	अष्टम पक्ष	चतुर्थ अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
9	नवम पक्ष	पञ्चम अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	30	5	
10	दशम पक्ष	पञ्चम अध्याय चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	30	5	
11	एकादश पक्ष	पञ्चम अध्याय सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड	30	5	
12	द्वादश पक्ष	पञ्चम अध्याय दशम, एकादश, द्वादश खण्ड	30	5	
13	त्रयोदश पक्ष	षष्ठ अध्याय प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	महानाम्नी 40	5	
14	चतुर्दश पक्ष	आग्नेय पर्व - चतुर्थ, पञ्चम खण्ड	38 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	आग्नेय पर्व - षष्ठ, सप्तम खण्ड	23 साम	5	
16	षोडश पक्ष	आग्नेय पर्व - अष्टम, नवम खण्ड	23 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	आग्नेय पर्व - दशम, एकादश खण्ड	26 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	आग्नेय पर्व - द्वादश खण्ड	14 साम	5	
19	नवदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व - प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड	65 साम	5	
20	विंश पक्ष	ऐन्द्र पर्व - चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड	62 साम	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**400 मन्त्र 257 साम**	**100 अंक**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
उत्तरार्चिक प्रथम अध्याय से दशम अध्याय पर्यन्त एवं प्रकृतिगान में ऐन्द्र पर्व सप्तम खण्ड से चतुर्विंशति खण्ड पर्यन्त अध्ययन होना अतिआवश्यक है ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	उत्तरार्चिक प्रथम अध्याय	23 तृचा	5	1. ऋचा की 16 सन्धा पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	उत्तरार्चिक द्वितीय अध्याय	22 तृचा	5	
3	तृतीय पक्ष	उत्तरार्चिक तृतीय अध्याय	19 तृचा	5	
4	चतुर्थ पक्ष	उत्तरार्चिक चतुर्थ अध्याय	19 तृचा	5	
5	पञ्चम पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चम अध्याय	22 तृचा	5	
6	षष्ठ पक्ष	उत्तरार्चिक षष्ठ अध्याय	23 तृचा	5	
7	सप्तम पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तम अध्याय	24 तृचा	5	
8	अष्टम पक्ष	उत्तरार्चिक अष्टम अध्याय	14 तृचा	5	
9	नवम पक्ष	उत्तरार्चिक नवम अध्याय	20 तृचा	5	
10	दशम पक्ष	उत्तरार्चिक दशम अध्याय	23 तृचा	5	
11	एकादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तम, अष्टम खण्ड	23 तृचा	5	
12	द्वादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व नवम, दशम खण्ड	21 तृचा	5	
13	त्रयोदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकादश, द्वादश खण्ड	20 तृचा	5	
14	चतुर्दश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयोदश खण्ड	31 तृचा	5	
15	पञ्चदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व चतुर्दश खण्ड	25 तृचा	5	
16	षोडश पक्ष	ऐन्द्र पर्व पञ्चदश, षोडश खण्ड	40 तृचा	5	
17	सप्तदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तदश, अष्टादश खण्ड	33 तृचा	5	
18	अष्टादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकोनविंशति, विंशति खण्ड	21 तृचा	5	
19	नवदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकविंशति, द्वाविंशति खण्ड	36 तृचा	5	
20	विंश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयोविंशति, चतुर्विंशति खण्ड	31 तृचा	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**200 तृचा** **281 साम**	**100 गुण**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)					
उत्तरार्चिक एकादश अध्याय से एकविंशति अध्याय पर्यंत संहिता भाग सम्पूर्ण । प्रकृतिगान में ऐन्द्र पर्व पञ्चविंशति खण्ड से षट्त्रिंषत् खण्ड पर्यन्त । सामगान एवं छान्दोग्य मन्त्रब्राह्मण प्रथम प्रपाठक ।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	उत्तरार्चिक एकादश अध्याय	11 तृचा	5	1. ऋचा की 16 सन्था पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	उत्तरार्चिक द्वादश अध्याय	20 तृचा	5	
3	तृतीय पक्ष	उत्तरार्चिक त्रयोदश अध्याय	18 तृचा	5	
4	चतुर्थ पक्ष	उत्तरार्चिक चतुर्दश अध्याय	16 तृचा	5	
5	पञ्चम पक्ष	उत्तरार्चिक पञ्चदश अध्याय	14 तृचा	5	
6	षष्ठ पक्ष	उत्तरार्चिक षोडश अध्याय	21 तृचा	5	
7	सप्तम पक्ष	उत्तरार्चिक सप्तदश अध्याय	14 तृचा	5	
8	अष्टम पक्ष	उत्तरार्चिक अष्टादश अध्याय	19 तृचा	5	
9	नवम पक्ष	उत्तरार्चिक एकोनविंशति अध्याय	18 तृचा	5	
10	दशम पक्ष	उत्तरार्चिक विंशति अध्याय	32 तृचा	5	
11	एकादश पक्ष	उत्तरार्चिक एकविंशति अध्याय	9 तृचा	5	
12	द्वादश पक्ष	ऐन्द्रपर्व पञ्चविंशति, षड्विंशति खण्ड	24 साम	5	
13	त्रयोदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व सप्तविंशति खण्ड	24 साम	5	
14	चतुर्थदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व अष्टाविंशति खण्ड	28 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व नवविंशति, त्रिंशत् खण्ड	33 साम	5	
16	षोडश पक्ष	ऐन्द्र पर्व एकत्रिंशत्, द्वात्रिंशत् खण्ड	31 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	ऐन्द्र पर्व त्रयस्त्रिंशत्, चतुस्त्रिंशत् खण्ड	37 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	ऐन्द्र पर्व पञ्चत्रिंशत्, षट्त्रिंशत् खण्ड	33 साम	5	
19	नवदश पक्ष	छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण षष्ठ खण्ड	6 खण्ड	5	
20	विंश पक्ष	छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण षष्ठ खण्ड	6 खण्ड	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**192 तृचा 210 साम 12 ब्राह्मण**	**100 गुण**	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद राणायनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)					
प्रकृति गान में, पावमान एकादश खण्ड सम्पूर्ण आरण्यक गान में अर्क पर्व, छान्दोग्य मन्त्र ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक सम्पूर्ण होना अनिवार्य					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	पावमान प्रथम खण्ड	35 साम	5	1. ऋचा की 16 सन्धा पद्धति से अध्ययन अध्यापन करें। 2. गान के 10 पाठ एवं 10 वल्लि (दशावृत्ति) करें। 3. प्रतिदिन 4 अध्याय ऋचा के एवं 10 खण्ड गान की आवृत्ति करें।
2	द्वितीय पक्ष	पावमान प्रथम खण्ड	34 साम	5	
3	तृतीय पक्ष	पावमान द्वितीय तृतीय खण्ड	35 साम	5	
4	चतुर्थ पक्ष	पावमान चतुर्थ खण्ड	20 साम	5	
5	पञ्चम पक्ष	पावमान पञ्चम खण्ड	40 साम	5	
6	षष्ठ पक्ष	पावमान पञ्चम खण्ड	33 साम	5	
7	सप्तम पक्ष	पावमान षष्ठ खण्ड	24 साम	5	
8	अष्टम पक्ष	पावमान सप्तम खण्ड	21 साम	5	
9	नवम पक्ष	पावमान अष्टम खण्ड	33 साम	5	
10	दशम पक्ष	पावमान नवम खण्ड	35 साम	5	
11	एकादश पक्ष	पावमान दशम खण्ड	39 साम	5	
12	द्वादश पक्ष	पावमान एकादश खण्ड	35 साम	5	
13	त्रयोदश पक्ष	आरण्यकगान प्रथम द्वितीय खण्ड	27 साम	5	
14	चतुर्दश पक्ष	आरण्यकगान तृतीय, चतुर्थ खण्ड	28 साम	5	
15	पञ्चदश पक्ष	आरण्यकगान पञ्चम खण्ड	10 साम	5	
16	षोडश पक्ष	आरण्यकगान षष्ठ खण्ड	12 साम	5	
17	सप्तदश पक्ष	आरण्यकगान सप्तम खण्ड	12 साम	5	
18	अष्टादश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 1-3 खण्ड	40 मन्त्र	5	
19	नवदश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 4-6 खण्ड	40 मन्त्र	5	
20	विंश पक्ष	छान्दोग्यब्राह्मण 7-9 खण्ड	40 मन्त्र	5	
नोट - कण्ठस्थीकरण, उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			**474 साम 8 खण्ड ब्राह्मण**	**100 गुण**	